महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता पर व्याख्यान

हिंदी विवि के सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास का आयोजन

वर्धा दि. 20 अप्रैल 2015 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में स्थित सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास में 'मानसिक स्वास्थ के प्रति जागरुकता' विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थान, सावंगी के मनोविश्लेषक डॉ. प्रकाश बेहरे एवं उनके सहयोगी चिकित्सक, नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के प्रो. सुरेश शर्मा, कुलसचिव संजय गवई, छात्रावास अधीक्षक अवंतिका शुक्ला तथा छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत कुलपति प्रो. मिश्र के हाथों स्मृति चिन्ह एवं सूत की माला देकर किया गया। कार्यक्रम का आयोजन छात्रावास में गठित 'अध्ययन समिति' की ओर से किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. बेहरे ने 'मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता' विषय पर अपने विचार व्यक्त कर छात्राओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि मानसिक रोग के अलग-अलग कारण होते हैं और वह व्यक्ति की दिनचर्या और उसके व्यक्तित्व पर निर्भर करते हैं। मानसिक बीमारी के लक्षणों में नींद न आना, अधिक विचार या चिंता करना, बार-बार क्रोध आना, आवाज बंद हो जाना, घबराहट आदि शामिल है। उन्होंने उदाहरण के साथ कहा कि टीवी के कार्यक्रमों में

अधिकतर फिल्मों में मानसिक रोगी दिखाए जाते हैं किन्तु मानसिक रोगियों की स्थिति वास्तव में उसी प्रकार की नहीं होती। मानसिक रोग के लक्षणों में बदलाव आने के बाद वह बीमारी पागलपन का रूप धारण कर सकती है और उस व्यक्ति के लिए ये लक्षण खतरनाक बीमारी के रुप में सामने आती है।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने कई सवाल किए। डॉ. बेहरे ने कहा कि युवावर्ग में अधिक समस्याएं होती हैं जैसे पढ़ाई, परीक्षाएं, दोस्त, घर का वातावरण, असफलता से निराश होना आदि। इसमें बार-बार दोस्तों को बदलना, मल्टीपल रिलेशनशिप भी मानसिक रोग का लक्षण होते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकतर युवाओं को इस बीमारी से बचना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास की अधीक्षक तथा स्त्री अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर अवंतिका शुक्ला ने किया। कार्यक्रम आयोजकों में 'अध्ययन समिति' की संयोजक चित्रलेखा अंशु, सदस्य उमा, भारती, सविता, नीलिमा, भावना मासीवाल, आरती शामिल थी। कार्यक्रम में छात्रावास की विभिन्न विभागों की छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।